वर्ष : 2021-22

पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर 2021)

पाठ्यक्रम : बी.ए. हिंदी विशेष

सत्र : प्रथम

पेपर : हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

शिक्षक : डॉ. प्रेम कुमारी सिंह

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका

- भारोपीय भाषा –परिवार एवं अर्थभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- 'हिंदी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)

इकाई 2: हिंदी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप
- हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ

इकाई 3 : लिपि का इतिहास

- भाषा और लिपि का अन्तः संबंध
- परिभाषा, स्वरुप एवं आवश्यकता
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि-लिपि)

इकाई 4: देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
- देवनागरी लिपि और कंप्यूटर

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना रहा है | संविधान ने कब हिंदी को राजभाषा घोषित किया और देवनागरी लिपि में हिंदी लिपि को हिंदी की मानक लिपि मान लिया गया | हिंदी विशेष के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम अत्यंत महत्त्वपूर्ण है हिंदी का भाषा के रूप में क्रमबद्ध विकास को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से समझाया गया है |

शिक्षण समय : **16** सप्ताह **(**लगभग **)**

कक्षाएं : समय सारणी के आधार पर इस विषय की कक्षाएं सप्ताह के पाँचों दिन नियत की गयी | कक्षा में विषय से समबन्धित सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई |विषय उपयोगी पुस्तकों के बारे में विद्यार्थियों को ज्ञान दिया

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	• भारोपीय भाषा –परिवार एवं अर्थभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
सप्ताह 2	• हिंदी का आरंभिक रूप • 'हिंदी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
सप्ताह 3	• हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल) • हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
सप्ताह 4	• हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा) • हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप • हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ
सप्ताह 5	पुनरावृत्ति
सप्ताह 6	• भाषा और लिपि का अन्तः संबंध • परिभाषा, स्वरुप एवं आवश्यकता
सप्ताह 7	• लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि-लिपि)
सप्ताह 8	पुनरावृत्ति
सप्ताह 9	• देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास

सप्ताह 10	• देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
सप्ताह 11	पुनरावृत्ति
सप्ताह 12	• देवनागरी लिपि का मानकीकरण
सप्ताह 13	• आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
सप्ताह 14	पुनरावृत्ति
सप्ताह 15	• आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
सप्ताह 16	• देवनागरी लिपि और कंप्यूटर

सम्बंधित पुस्तकें :

- हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
- हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

वर्ष **: 2021-2022**

पाठ्यक्रम विवरण **: (**जुलाई**-**नवम्बर 2021**)**

पाठ्यक्रम **:** हिंदी **(**विशेष**)**

सत्र **:** सेमेस्टर **3 (**जुलाई **-** नवंबर**)**

पेपर **:** हिंदी कहानी

शिक्षक **:** डॉ**.** प्रेम कुमारी सिंह

पाठ्यक्रम

इकाई**-1**

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी,
2. पूस की रात - प्रेमचंद,
3. छोटा जादूगर - जयशंकर प्रसाद

इकाई**-2**

4. पाजेब - जैनेन्द्र कुमार,
5. तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु,
6. चीफ की दावत - भीष्म साहनी

इकाई**-3**

7. परिन्दे - निर्मल वर्मा
8. दोपहर का भोजन - अमरकांत
9. सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती

इकाई**-4**

10. जंगल जातकम् - काशीनाथ सिंह,
11. वापसी - उषा प्रियंवदा,
12. घुसपैठिये - ओमप्रकाश बाल्मीकि

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी कहानी के इतिहास, उसकी प्रवृत्तियों एवं शिल्पगत विशेषताओं से परिचित कनारा है। इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद छात्र हिंदी कहानी के उद्भव एवं विकास से परिचित होंगे। वे हिंदी की कुछ महत्वपूर्ण कहानियों एवं कहानीकारों का गहन अध्ययन करेंगे। इस इस पाठ्यक्रम के माध्यम से उनमें जीवन और कहानी के संबंध की समझ विकसित होगी तथा वे स्वयं कहानियों का विश्लेषण करने में समर्थ बनेंगे।

शिक्षण समय **: 16** सप्ताह **(**लगभग **)**

कक्षाएं **: 5** लेक्चर **3** ट्यूटोरियल

कक्षाएं पेपर के पाठ्यक्रम की रूपरेखा अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की जाएंगी । प्रतिदिन कक्षा व्याख्यान के आलावा ट्युटोरियल कक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रश्नों, शंकाओं का समाधान और निर्धारित विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा। असाइनमेंट ,टेस्ट और प्रस्तुतीकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन होगा।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण **:**

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	कहानी की संरचना
सप्ताह 2	हिंदी कहानी का संक्षिप्त इतिहास
सप्ताह 3	इकाई**-1** उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी,
सप्ताह 4	पूस की रात - प्रेमचंद,
सप्ताह 5	छोटा जादूगर - जयशंकर प्रसाद (प्रथम असाइनमेंट)
सप्ताह 6	इकाई**-2** पाजेब - जैनेन्द्र कुमार,
सप्ताह 7	तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु,
सप्ताह 8	चीफ की दावत - भीष्म साहनी
सप्ताह 9	इकाई**-3** परिन्दे - निर्मल वर्मा
सप्ताह 10	दोपहर का भोजन - अमरकांत (द्वितीय असाइनमेंट)
सप्ताह 11	सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
सप्ताह 12	इकाई**-4** जंगल जातकम् - काशीनाथ सिंह,
सप्ताह 13	13. वापसी - उषा प्रियंवदा,
सप्ताह 14	घुसपैठिये - ओमप्रकाश बाल्मीकि
सप्ताह 15	क्लास टेस्ट, पुनरावृत्ति एवं समूह
सप्ताह 16	पुनरावृत्ति एवं समूह चर्चा

सम्बंधित पुस्तकें :

- संकलित निबंध - नलिन विलोचन शर्मा
- 'एक दुनिया समानान्तर' - राजेन्द्र यादव
- 'कहानी : नई कहानी' - नामवर सिंह
- नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
- हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
- हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र
- हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
- अपनी बात – भीष्म साहनी ।
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
- प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
- साहित्य से संवाद - गोपेश्वर सिंह
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी
- कथावीथी – हरिमोहन शर्मा और राजेन्द्र गौतम
- हिंदी कहानी का पहला दशक – संपा. भवदेव पाण्डेय
- हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
- हमसफरनामा – स्वयं प्रकाश
- समय और साहित्य – विजय मोहन सिंह
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेंद्र चौधरी

वर्ष : 2021-22

पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई - नवंबर 2021)

पाठ्यक्रम : बी.कॉम प्रोग्राम

सत्र : प्रथम

पेपर : हिंदी भाषा और साहित्य हिंदी 'ख'

(MIL)

शिक्षक : डॉ.प्रेम कुमारी सिंह, डॉ.अंशु यादव

पाठ्यक्रम :बी.कॉम प्रोग्राम

इकाई-1 : हिंदी भाषा और साहित्य

(की) आधुनिक भारतीय भाषाओ का सामान्य परिचय

(ख) हिंदी का उद्भव : सामान्य परिचय

(ग) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

(घ) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई-2 : भक्तिकालीन हिंदी कविता

(क) कबीर : पोथी पढि-पढि जंग मुआ

कस्तूरी कुंडलि बसै

यह तन विष की बेलरी,

गुरु अमृत की खान

सात समुंदर की मसि करूं

साधु ऐसा चाहिए...

सतगुरु हमसूं रीझकर

(ख) गोस्वामी तुलसीदास : 'रामचरितमानस' से केवट प्रसंग

इकाई-3 : रीतिकालीन हिंदी कविता

(क) बिहारी : बतरस लालच लाल की ...

या अनुरागी चित्त की …

सटपटति - सी ससिमुखी…

(ख) भूषण : इंद्र जिमि जंभ पर

साजि चतरंग सैन

इकाई **4 :** आधुनिक हिंदी कविता

4.1 जयशंकर प्रसाद : अरुण यह मधुमय देश हमारा

4.2 हरिवंशराय बच्चन : अग्निपथ

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को हिंदी भाषा और साहित्य का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना और हिंदी कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित करना।

शिक्षण समय **: 16** सप्ताह **(**लगभग **)**

कक्षाएं **:** इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के **5** दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। विद्यार्थियों को विषय से संबंधित पुस्तकों की जानकारी प्रदान की जाएगी।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण **:**

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय
सप्ताह 2	हिंदी का उद्भव: सामान्य परिचय
सप्ताह 3	हिंदी साहित्य का इतिहास -आदिकाल, मध्यकाल : संक्षिप्त परिचय
सप्ताह 4	हिंदी साहित्य का इतिहास- आधुनिक काल : संक्षिप्त परिचय
सप्ताह 5	कबीर के पद
सप्ताह 6	गोस्वामी तुलसीदास : केवट प्रसंग

सप्ताह 7	पुनरावृति एवं सामूहिक चर्चा, प्रथम असाइनमेंट
सप्ताह 8	रीतिकालीन हिंदी कविता - बिहारी के दोहे
सप्ताह 9	रीतिकालीन हिंदी कविता - भूषण
सप्ताह 10	आधुनिक हिंदी कविता
सप्ताह 11	जयशंकर प्रसाद: अरुण यह मधुमय देश हमारा
सप्ताह 12	हरिवंशराय बच्चन - अग्निपथ
सप्ताह 13	सामूहिक चर्चा एवं लिखित परीक्षा
सप्ताह 14	द्वितीय असाइनमेंट
सप्ताह 15	पाठ्यक्रम से संबंधित विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान
सप्ताह 16	आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

सम्बंधित पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य का इतिहास संपा. डॉ. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास μ रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास खण्डद्ध नागरी प्रचारिणी सभा
- हिंदी का गद्य साहित्य रामचंद्र तिवारी
- हिंदी निबंध के आधार-स्तंभ हरिमोहन
- प्रगतिवाद शिवकुमार मिश्र
- छठवाँ दशक विजयदेव नारायण साही
- हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास राजेंद्र गौतम
- हिंदी गशल की विकास-यात्रा ज्ञानप्रकाश विवेक
- समकालीन हिंदी कविता विश्वनाथ प्रसाद तिवारी